सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 345 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

लोकतंत्र सिर्फ विशेष लोगों के नहीं बल्कि हर एक मनुष्य की आध्यात्मिक संभावनाओं में एक यकीन है।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

गणतंत्र दिवस की तैयारी... 8 | अखिलेश के चुनावी अभियान... 3 | प्रतापगढ़ में जिंदा जले दो मासूम... 7

कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका ने जारी किया घोषणा पत्र

20 लाख सरकारी नौकरियों की गारंटी, रोजगार के लिए लोन

» कांग्रेस की सरकार बनने पर शिक्षा बजट बढ़ाने का भी ऐलान

» बनाया जाएगा जॉब कलेंडर, प्रदेश के युवाओं पर पार्टी का फोकस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी विधान सभा चुनाव में महिलाओं को चालीस फीसदी टिकट देने समेत कई अन्य वादों के बाद कांग्रेस ने आज अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और यूपी प्रभारी व पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने युवा घोषणा पत्र भर्ती विधान जारी किया।

प्रियंका गांधी ने कहा कि इसे भर्ती विधान इसलिए कहा गया है क्योंकि यूपी में सबसे बड़ी समस्या भर्ती की है। आज युवा दुखी हैं, त्रस्त हैं, क्वालीफाइड हैं लेकिन उन्हें रोजगार नहीं मिलता। हमारा ये प्रयास रहा है कि नौजवानों की हर समस्या भर्ती विधान में समाहित हो। युवाओं को इस भर्ती विधान में 20 लाख नौकरियां देने की बात कही गई है। शिक्षकों के 1.50 लाख पद भी भरे जाएंगे। भर्तियों में लेटलतीफी, पेपर लीक आदि समस्याओं पर फोकस किया गया है। इस विधान में भविष्य निर्माण के लिए यानी युवाओं को रोजगार कैसे शुरू करना है इसके लिए भी एक सेक्शन है। कुछ सालों से यूपी के विश्वविद्यालयों में चुनाव नहीं हो रहे उसे लेकर भी एक सेक्शन है। इस विधान में प्रदेश के सात करोड़ युवाओं को टारगेट किया गया है। विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, डॉक्टरों, पुलिस, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के पद बड़ी संख्या में खाली हैं जिन्हें भरा जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के पद पर भर्ती, उर्दू शिक्षकों की भर्ती भी की जाएगी। जॉब कैलेंडर बनाया जाएगा जिसमें परीक्षा की तारीख से नियुक्ति की तारीख तक होगी। कांग्रेस की सरकार बनने पर शिक्षा के बजट को बढ़ाया जाएगा।

देश में बदलाव की जरूरत : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि देश में एक बदलाव की जरूरत है जो उत्तर प्रदेश से ही शुरू हो सकता है। हिंदुस्तान को जो विजन नरेंद्र मोदी ने दिया था वह फेल हो गया है। हमारे युवा हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं उसे पीएम मोदी ने डेमोग्राफिक डिजास्टर में बदल दिया है। देश को जो विजन चाहिए वह कांग्रेस ही दे सकती है। अगर यूपी को एक नया विजन नहीं दिया गया तो देश को भी नहीं दिया जा सकता।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

शिक्षकों के 1.50 लाख पद भी भरे जाएंगे

मुख्य बिंदु

- जहां 100 से ज्यादा एक ही इंडस्ट्री की फैक्ट्री है उसे क्लस्टर बनाया जाएगा।
- सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के शुल्क माफ करेंगे।
- सीड स्टार्टअप फंड के लिए 5 हजार करोड़।
- कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ईडब्ल्यूएस के लिए प्री और पोस्ट मेट्रिक स्कॉलशिप।
- नदी पर निर्भर समुदायों के लिए खास काम किया जाएगा।
- रोजगार के लिए 1 लाख का लोन 5 प्रतिशत ब्याज पर मिलेगा।

भाजपा में दूसरी मेनका गांधी बनकर तो नहीं रह जाएंगी अपर्णा!

अपर्णा के भाजपा में आने से सपा-बीजेपी दोनों ही खुश

सपा में बेहतर भविष्य नहीं दिखने पर थामा कमल

» अपर्णा और योगी की जुगलबंदी से नाराज थे अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चार साल पहले की बात है, लोक सभा का चुनाव चरम पर था। हरदोई की एक जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अखिलेश यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके पास दो सौ गाड़ियां है। इसमें से कुछ चार पांच करोड़ की है। अब इन पांच करोड़ कीमत की गाड़ियों की मालकिन अपर्णा यादव मोदी की ही पार्टी में शामिल हो गयी हैं। मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू अपर्णा यादव के भाजपा में जाने से भाजपा और सपा दोनों खुश है।

अपर्णा यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के पुत्र प्रतीक यादव की पत्नी हैं। यह बात सभी जानते हैं कि अखिलेश साधना गुप्ता को पसंद नहीं करते और इसी कारण प्रतीक यादव कभी अखिलेश के करीबी नहीं बन पाये।

अखिलेश का सोचना है कि परिवार में झगड़े के एक बड़े कारणों में साधना गुप्ता की महत्वाकांक्षा भी रही है। साधना के करीबी रिश्तेदार भी अपर्णा के बाद भाजपा में चले गये हैं। अपर्णा ठाकुर परिवार से आती हैं। शादी से पहले वे अपने नाम के आगे विष्ट लगाती थीं। उनके पिता पत्रकार थे और माता नगर निगम में नौकरी करती हैं।

अखिलेश सरकार बनने के दो साल बाद ही अपर्णा को यह समझ आने लगा था कि अखिलेश यादव की सत्ता के चलते उनका भविष्य सपा में बहुत बेहतर नहीं रहने वाला है। इसी कारण उन्होंने 2014 में मोदी के स्वच्छता अभियान की जमकर प्रशंसा कर अखिलेश सरकार को असहज कर दिया था। बताया जाता है कि अखिलेश सरकार में खनन मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को मुलायम सिंह की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता का ही संरक्षण था और बड़े जिलों के खनन के ठेके उनके आशीर्वाद से ही तय होते थे। मुलायम सिंह इसमें खामोश रहते थे और इससे यह संदेश जाता था कि गायत्री को उनका भी समर्थन है। यही कारण था कि परिवार में विवाद बढ़ने के बाद अखिलेश ने गायत्री को अपने मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद साधना गुप्ता की नाराजगी के कारण ही गायत्री को दोबारा मंत्रिमंडल में...

शेष पेज 8 पर

उत्तराखंड : टिकट बंटते ही भाजपा में बगावत पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ने का ऐलान

» टीका प्रसाद, जगवीर सिंह और विनोद कंडारी ने लगाए गंभीर आरोप

» विधान सभा चुनाव में भाजपा ने करीब दस नेताओं के काटे गए हैं टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा ने गुरुवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। जिसमें 59 प्रत्याशियों के नामों का एलान किया है। वहीं इस बार करीब 10 नेताओं के टिकट कटे हैं। उनमें से कुछ ने बगावत कर दी है।

कर्णप्रयाग विधान सभा से टिकट न मिलने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता टीका प्रसाद मैखुरी ने पार्टी के विरोध में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। टिकटों के ऐलान के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बगावत कर दी है। उन्होंने कहा है कि मेरे साथ पार्टी ने लगातार धोखा और अन्याय किया है। जिसका प्रतिशोध जनता और मेरे मन में है। मैंने हमेशा पार्टी को अपनी मां के समान समझकर काम किया है। कभी पार्टी से दगाबाजी नहीं की है, लेकिन जिन लोगों ने पार्टी के साथ दगाबाजी की और पार्टी का विरोध किया, उन्हें पार्टी ने आगे किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता जगवीर सिह भंडारी ने यमुनोत्री विधान सभा क्षेत्र से भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा में निष्ठावान और जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं की पहचान की कमी है। मेरे साथ हर बार धोखा किया जाता है। वह यमुनोत्री विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। वहीं दूसरी ओर देवप्रयाग विधान सभा सीट से सीटिंग विधायक विनोद कंडारी का नाम भाजपा प्रत्याशी के तौर पर घोषित होने पर टिकट के दौड़ में आगे माने जा रहे पूर्व प्रमुख मगन सिंह बिष्ट ने तीखी प्रतिक्रिया जताई। उन्होंने टिकट बंटवारे में धन-बल का आरोप लगाते हुए कहा कि वह जन आकांक्षाओं के अनुरूप विधान सभा चुनाव में खड़े होंगे व इसका जबाब देंगे।

भाजयुमो के पूर्व प्रदेश सचिव ने छोड़ी भाजपा

भाजयुमो के पूर्व प्रदेश सचिव सूरज घिल्डियाल ने डॉ. धन सिंह रावत को टिकट मिलने और डॉ. हरक सिंह रावत को पार्टी से निष्कासित किए जाने के विरोध में भाजपा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है। घिल्डियाल ने कहा कि भाजपा ने डॉ. रावत को जिस प्रकार पार्टी से अपमानित कर मंत्रिमंडल और पार्टी से निष्कासित किया है, उससे वह आहत है। उन्होंने स्थानीय विधायक डॉ. धन सिंह रावत पर युवाओं और क्षेत्र की उपेक्षा का भी आरोप लगाया।

खटीमा से चुनाव लड़ेंगे मुख्यमंत्री धामी, पांच महिलाओं को टिकट

देहरादून। उत्तराखंड की पांचवीं विधानसभा के चुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में 59 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल किए गए हैं। शेष सीटों पर दोबारा मंथन के बाद अगले प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी हो सकती है। प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में 59 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा सीट से चुनाव लड़ेंगे। बची 11 सीटों पर बाद में नामों का ऐलान किया जाएगा। इस बार पांच महिलाओं को टिकट दिया गया है। वहीं 13 ब्राह्मण नेताओं को टिकट दिया गया है। 10 विधायकों के टिकट कटे हैं। इस बार कुंवर प्रणव चैंपियन का टिकट काट दिया गया है। उनकी पत्नी को टिकट दिया गया है।

चुनाव आयोग से पहले बसपा प्रमुख को शपथ पत्र देंगे पार्टी प्रत्याशी

» आपराधिक रिकॉर्ड वाले प्रत्याशियों के परिजनों को मिलेगा टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विधान सभा चुनाव में नामांकन के दौरान अपनी हैसियत व आपराधिक रिकार्ड को लेकर शपथ पत्र देना होता है लेकिन बसपा प्रत्याशियों को एक और शपथ पत्र देना होगा। निर्वाचन आयोग से पहले ही उन्हें बसपा सुप्रीमो मायावती को शपथ पत्र देकर अपने ऊपर आपराधिक मामलों की जानकारी देनी होगी। शपथ पत्र में इस बात का उल्लेख होगा कि उनकी ओर से कोई सूचना छिपाई नहीं गई है और न ही कोई गलत जानकारी दी गई है। यदि कोई जानकारी गलत होगी तो उसकी जिम्मेदारी उनकी होगी न कि पार्टी की। ऐसे प्रत्याशी जिनपर गंभीर आपराधिक मामले होंगे, उनकी जगह उनके स्वजन को टिकट दिया जा सकता है।

बसपा एक अनुशासित पार्टी के रूप में अपनी छवि बरकरार रखना चाहती है और स्वच्छ छवि के लोगों को ही टिकट देने की प्राथमिकता तय की गई है। पार्टी की ओर से घोषित प्रभारी प्रत्याशियों में से कुछ ऐसे हैं, जिनपर गंभीर धाराओं में मामले लंबित हैं। इन लोगों के चलते पार्टी की साख को कोई नुकसान न हो इसकी चिंता भी वरिष्ठ नेताओं द्वारा की जा रही है। इसी क्रम में सभी प्रत्याशियों से शपथ पत्र भी लिया जा रहा है। जिन प्रत्याशियों पर मुकदमा चल रहा होगा, उन्हें हटाकर उनकी पत्नी, पुत्र या पुत्री को टिकट दिया जाएगा।

धूरी से चुनाव मैदान में उतरेंगे भगवंत मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के पंजाब अध्यक्ष और सांसद भगवंत मान धूरी में कांग्रेस के मौजूदा विधायक दलबीर गोल्डी को टक्कर देंगे। पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री चेहरा घोषित होने के बाद गुरुवार को उनकी चुनावी सीट का औपचारिक ऐलान कर दिया। भगवंत मान अभी संगरूर से सांसद हैं और धूरी उन्हीं के संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आता है।

पंजाब के सह प्रभारी राघव चड्ढा ने गुरुवार को मोहाली स्थित पार्टी कार्यालय में यह ऐलान करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के सीएम चेहरा भगवंत मान संगरूर की धूरी सीट से चुनाव लड़ेंगे। धूरी से अभी तक कांग्रेस की तरफ से दलबीर गोल्डी और अकाली-बसपा गठबंधन से प्रकाश चंद गर्ग चुनाव मैदान में हैं। भाजपा, कैप्टन अमरिंदर सिंह और शिअद संयुक्त के गठजोड़ की ओर से अभी तक यहां से किसी भी उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया गया है।

भाजपा ने दिया बहन-बेटियों को सम्मान और स्वावलंबन : बृजेश पाठक

» प्रत्याशियों की सूची को लेकर सपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रत्याशियों को लेकर भाजपा लगातार सवाल खड़े कर रही है। कानून मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं, बहन-बेटियों को स्वाभिमान, सम्मान और स्वावलंबन दिया है। इसके उलट सपा महिलाओं-बेटियों पर अत्याचार करने वालों को सम्मानित करती थी। उन्हें कैबिनेट की कुर्सी देकर उपकृत करती रही है।

उन्होंने कहा कि सपा की पहली सूची से साफ है कि इन्होंने गुंडों, दंगाइयों, बलवाइयों को टिकट देकर साबित कर दिया है कि ये सभ्य समाज के लिए खतरा हैं। इन्होंने ऐसे लोगों को टिकट दिया है, जो बहन-बेटियों पर अत्याचार करने वालों, उनका उत्पीड़न करने वालों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि सपा की पहली सूची गुंडे-माफिया और आतंकवादियों के नाम से भरी हुई है। संदेश साफ है कि सपा गुंडे, माफिया और आतंकवादियों की पालनहार रही है। अपने कार्यकाल में महिला और बेटियों का अपमान करने वाले सपा सरकार में मंत्री रहे आजम खान के उस बयान को जनता कभी नहीं भूलेगी, जब उन्होंने एक पीड़िता से कहा था कि शोहरत देगी तो दुनिया को चेहरा कैसे दिखाएगी। कैबिनेट मंत्री ने यह भी बड़ा आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी बलात्कारियों को मंत्री बनाती है और हमारी सरकार जेल भेजती है।

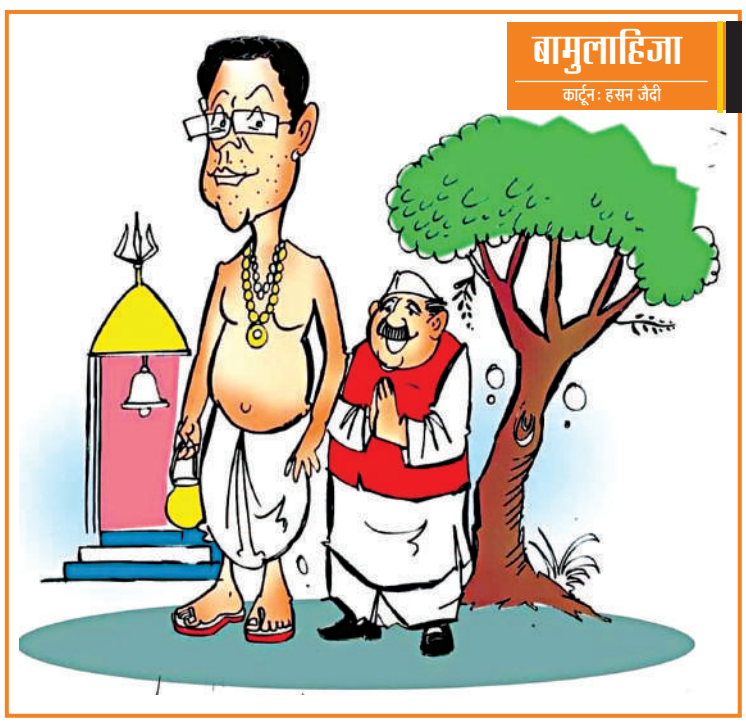

दूसरा चरण : चुनाव आयोग ने तय की नामांकन कराने की तारीख

» बिजनौर की आठ विधान सभा सीटों पर 28 जनवरी तक चलेगी प्रक्रिया

» 14 फरवरी को होना है दूसरे चरण का मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। दूसरे चरण के मतदान को लेकर बिजनौर जिले के 8 विधान सभाओं में होने वाले नामांकन की तैयारी शुरू हो गई है। प्रत्याशी द्वारा 21 जनवरी से लेकर 28 जनवरी तक नामांकन कराने की तिथि चुनाव आयोग द्वारा तय की गई है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान किसी तरह की कोई भी गड़बड़ी न हो इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए गए है।

बिजनौर के सदर सीट, नजीबाबाद सीट, चांदपुर सीट, नगीना सुरक्षित सीट, नहटौर सुरक्षित सीट, बढ़ापुर सीट, नूरपुर सीट व धामपुर सीट पर 21 जनवरी से 28 जनवरी तक नामांकन की प्रक्रिया चलेगी। 29 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। साथ ही 31 जनवरी को नाम वापसी की तारीख रखी गई है। बिजनौर कलेक्ट्रेट परिसर में कल से 8 विधान सभा क्षेत्र के प्रत्याशी नामांकन के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचेंगे। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रत्याशियों को नामांकन पर्चा भरना है। जिसके लिए केवल प्रत्याशी सहित दो लोग ही कलेक्ट्रेट परिसर में जा सकेंगे अगर सुरक्षा की बात करें तो पैरामिलिट्री फोर्स व स्थानीय पुलिस द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में पूरी तरीके से नजर रखी जाएगी। साथ ही सीसीटीवी के माध्यम से कलेक्ट्रेट परिसर में नजर रखी जाएगी। वहीं कलेक्ट्रेट परिसर को पूरी तरीके से पैरामिलिट्री फोर्स और स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दूसरे चरण का मतदान 14 फरवरी को होना है।

अखिलेश के चुनावी अभियान को उड़ान देने में जुटे क्षेत्रीय क्षत्रप

» ममता से लेकर शरद पवार तक करेंगे सपा के पक्ष में प्रचार

» गोलबंदी से राष्ट्रीय सियासत का चेहरा बदलने की भी हो रही कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में अलग-अलग प्रदेशों के सियासी दिग्गजों के अखिलेश यादव की सपा के समर्थन में उतरने की घोषणा क्षेत्रीय दलों के बीच गोलबंदी के संकेत दे रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव (केसीआर), राकांपा प्रमुख शरद पवार और माकपा महासचिव सीताराम येचुरी तक उत्तर प्रदेश के मौजूदा चुनाव में अखिलेश के लिए चुनाव प्रचार करने का ऐलान कर चुके हैं।

विपक्षी राजनीति के अहम चेहरों में शामिल इन क्षेत्रीय पार्टियों के दिग्गजों के समर्थन से साफ है कि वे उत्तर प्रदेश के मौजूदा चुनाव में भाजपा के खिलाफ कांग्रेस और बसपा दोनों को ज्यादा प्रासंगिक नहीं आंक रहे इसीलिए अपनी साझी ताकत से अखिलेश के चुनावी अभियान को उड़ान देना चाहते हैं। ममता ने अखिलेश से हुई चर्चा के दौरान सपा के लिए प्रचार करने की बात कही थी। सपा नेता किरणमयी नंदा ने कहा कि तृणमूल प्रमुख उत्तर प्रदेश में अभी कुछ वर्चुअल रैली करेंगी। चुनाव आयोग की पाबंदी हटी तो दीदी मैदान में भी सपा की साइकिल को सियासी रफ्तार देने के लिए उतरेंगी। शरद पवार ने तो खुद अखिलेश के साथ बातचीत होने और उनके समर्थन में प्रचार करने का एलान कर दिया है। बताया जा रहा है कि राकांपा का उत्तर प्रदेश में सपा से गठबंधन भी हो गया है। बुलंदशहर की एक सीट अनूपशहर सपा ने राकांपा उम्मीदवार के लिए छोड़ दी है जबकि सीताराम येचुरी और केसीआर भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय दलों को मजबूत करने के अपने एजेंडे के लिए अखिलेश का प्रचार करेंगे।

फाइल फोटो

राजद को भी साधा

तेलंगाना में केसीआर के सहयोगी असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी उत्तर प्रदेश में चुनाव लड़ रही है, मगर वे यहां उन्हें तवज्जो नहीं देंगे। राजद सामाजिक न्याय की सियासत के हिसाब से सपा के साथ खड़ी रहेगी। वैसे मुलायम और लालू परिवार के निकट पारिवारिक रिश्ते भी इसकी एक वजह है। बंगाल के पिछले चुनाव में भाजपा के खिलाफ ममता की सियासी जंग में भी कई क्षेत्रीय नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस का समर्थन किया था।

कांग्रेस के लिए चिंता की बात

तेजस्वी और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तो बंगाल जाकर ममता के लिए चुनाव प्रचार भी किया था। क्षेत्रीय दलों की अखिलेश के प्रचार के लिए दिख रही यह गोलबंदी जाहिर तौर पर राष्ट्रीय विपक्ष की अगुआई कर रही कांग्रेस के लिए ज्यादा चिंता की बात है। खासकर यह देखते हुए कि पवार, ममता, तेजस्वी और येचुरी की पार्टियां लंबे समय से विपक्षी सियासत की गोलबंदी में कांग्रेस के साथ खड़ी रही हैं। राकांपा जहां महाराष्ट्र में उसकी दो दशक से गठबंधन की साथी है तो माकपा से बंगाल चुनाव में कांग्रेस का गठबंधन था। राजद से कांग्रेस का पुराना नाता रहा है। ऐसे में विपक्षी राजनीति में क्षेत्रीय दलों के संभावित मजबूत मोर्चे का उभार कांग्रेस की परेशानी ही बढ़ाएगा। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती के लिए भी अखिलेश के साथ क्षेत्रीय क्षत्रपों का खड़ा होना चिंताजनक है क्योंकि उनकी पूरी सियासत की धुरी उत्तर प्रदेश है।

कांग्रेस के चुनाव प्रचार को धार दे रही डिजिटल सेना, मोर्चे पर डटे योद्धा

पार्टी के वार रूम में 500 से ज्यादा पेशेवर तैनात, प्रियंका कोर टीम से सीधे जुड़ीं

» बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से संपर्क फीडबैक भी ले रही टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद प्रदेश में सियासी पारा तेजी से चढ़ने लगा है। हर पार्टी अपनी रणनीति के तहत सत्ता संघर्ष में बाजी मारने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस ने भी कमर कस ली है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए चुनाव आयोग ने रैलियों और रोड शो पर प्रतिबंध लगा रखा है ऐसे में कांग्रेस ने वर्चुअल रैली के जरिए प्रचार शुरू कर दिया है। इसके लिए वार रूम तैयार किया गया है और इसमें पांच सौ से अधिक पेशेवरों को तैनात किया गया है।

कांग्रेस के वॉर रूम में 500 से ज्यादा पेशेवर योद्धा दिन-रात डटे हुए हैं। ये योद्धा बूथ से लेकर हाईकमान के बीच सेतु का काम भी कर रहे हैं। महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी कोर टीम के माध्यम से इनसे सीधे जुड़ी हैं। पार्टी के दो वॉर रूम में एक 300 सीटों वाला प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में तो दूसरा 200 से 250 सीटों वाला यूथ कांग्रेस की पुरानी बिल्डिंग में है। प्रत्येक 10 विधान सभा सीटों पर एक प्वॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट यानी संपर्क अधिकारी तैनात है। संपर्क अधिकारी की देखरेख में 5-8 लोगों की पेशेवर टीम है। ये टीमें न्याय व ग्राम पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से संपर्क करती हैं। उन सब तक पार्टी की रीति-नीति से जुड़े संदेशों के साथ अन्य निर्देश पहुंचाती हैं। यह टीम नेताओं की सक्रियता और कार्यक्रमों के बारे में फीडबैक भी लेती हैं। यह टीम उन नेताओं पर भी नजर रख रही है, जो पार्टी से चुनाव मैदान में हैं। उम्मीदवार कितना सक्रिय है, उसकी पूरी मॉनिटरिंग इनके जरिए हो रही है। यह टीम बूथ स्तर की कमेटी से लगातार संपर्क में रहती है ताकि जमीनी हकीकत के हिसाब से रणनीति तय की जा सके। कार्यकर्ताओं के अलावा पार्टी के आम सदस्यों, विभिन्न सामाजिक व व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी ये टीम फीडबैक जुटाती है। प्रियंका के वर्चुअल संवाद में भी यही टीम मुख्य भूमिका निभा रही है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि वार रूम के कार्यों को सार्वजनिक नहीं करने की भी रणनीति बनाई गई है।

व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ा

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू का कहना है कि कोरोना के मद्देनजर रैलियों को निरस्त करने की मांग सबसे पहले कांग्रेस ने ही की थी। हमने डेढ़ लाख व्हाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से तीन करोड़ लोगों को जोड़ने का काम किया है। सदस्यता अभियान के तहत हर विधान सभा क्षेत्र में 40-50 हजार नए लोगों को जोड़ा गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बेकाबू बेरोजगारी पर लगाम कब?

कोरोना ने पूरी दुनिया के सामने न केवल शारीरिक बल्कि आर्थिक संकट भी खड़ा कर दिया है। पिछले दो सालों से भारत कोरोना की चपेट में हैं। लंबे लॉकडाउन और संक्रमण के कारण यहां की अर्थव्यवस्था घुटनों पर आ चुकी है। लोगों के रोजी-रोजगार छिनते जा रहे हैं। इसका असर उनकी क्रय शक्ति पर पड़ रहा है और इसने बाजार की चाल को डांवाडोल कर दिया है। बेरोजगारी बेकाबू होती जा रही है। सवाल यह है कि बेरोजगारी की बढ़ती रफ्तार के क्या कारण हैं? क्या सरकार के पास इसका समाधान नहीं है? क्या बढ़ती बेरोजगारी देश में नयी आर्थिक व सामाजिक समस्याएं नहीं उत्पन्न कर देगी? क्या आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देने के लिए एक और भारी भरकम पैकेज की जरूरत सरकार को महसूस नहीं हो रही है? उद्योग धंधों को रफ्तार दिए बिना क्या रोजगार के साधनों का विकास किया जा सकता है? स्वरोजगार के साधनों पर फोकस होने के बावजूद हालत चिंताजनक क्यों बने हुए हैं?

कोरोना के दौरान लगे लंबे लॉकडाउन ने देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया है। लघु और मध्यम उद्योग धंधे ठप पड़ गए हैं। क्रय शक्ति में आयी कमी के कारण मांग और आपूर्ति का सिद्धांत पूरी तक गड़बड़ा चुका है। पर्यटन उद्योग पिछले दो साल में अर्श से फर्श पर पहुंच चुका है। इसके कारण इस उद्योग से जुड़े लाखों लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। आर्थिक सहायता नहीं मिल पाने के कारण कई छोटे और मध्यम उद्योग बंद हो चुके हैं। हालांकि कृषि क्षेत्र पर इसका प्रभाव नहीं पड़ा है। वहीं कोरोना काल में मेडिकल वस्तुओं के उत्पादन में जबरदस्त उछाल आया है। बावजूद यह पर्याप्त नहीं है। यही नहीं राज्य सरकारें पर्याप्त संख्या में नयी भर्तियां भी नहीं कर रही हैं। इसका सीधा असर बेरोजगारी दर पर पड़ा है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के मुताबिक दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर 7.91 फीसदी पर थी जबकि नवंबर में यह सात फीसदी थी। शहरों में इसकी दर 9.30 और गांवों में 7.28 फीसदी रही है जबकि नवंबर में यह क्रमशः 8.21 और 6.44 फीसदी थी। यह अंतर इसलिए है क्योंकि इस अवधि में रोजगार की तलाश में लाखों बेरोजगार शहर पहुंचे। यही नहीं बेरोजगारी का सबसे अधिक असर असंगठित क्षेत्र में दिखायी पड़ा खास तौर पर कोरोना काल में रेहड़ी-पटरीवालों पर। जाहिर है देश में लगातार बढ़ रही बेरोजगारी दर को रोकने के लिए सरकार को त्वरित और कारगर उपाय करने होंगे। इसके लिए न केवल रोजगार के साधनों को उत्पन्न करना होगा बल्कि ठप पड़े लघु-मध्यम उद्योग धंधों को भी आर्थिक पैकेज के जरिए आगे बढ़ाना होगा।

“ सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के मुताबिक दिसंबर 2021 में बेरोजगारी दर 7.91 फीसदी थी जबकि नवंबर में यह सात फीसदी थी। शहरों में इसकी दर 9.30 और गांवों में 7.28 फीसदी रही है जबकि नवंबर में यह क्रमशः 8.21 और 6.44 फीसदी थी। यह अंतर इसलिए है क्योंकि इस अवधि में रोजगार की तलाश में लाखों बेरोजगार शहर पहुंचे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत की जवाबी परमाणु नीति के मायने

जी. पार्थसारथी

भारत की परमाणु प्रति-चेतावनी उपायों की एक खासियत इस पर गोपनीयता बरतने की रही है। यह आवश्यक भी है क्योंकि भारत के परमाणु अस्त्र और मिसाइल कार्यक्रम में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र, मसलन, डीआरडीओ, परमाणु ऊर्जा विभाग, अकादमिक संस्थान और व्यावसायिक संगठनों के वैज्ञानिक एवं इंजीनियरों की प्रतिबद्धता जुड़ी है। भारत के परमाणु कार्यक्रम पर दुनियाभर के विशेषज्ञों की टोही नजर लगातार बने रहना स्वाभाविक है, जैसे कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट, यूके, फ्रांस, रूस के संगठन और चीन व पाकिस्तान नजर तो रहती ही है।

जहां भारतीय वैज्ञानिक बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षणों पर न्यूनतम जानकारी वाले वक्तव्य देते हैं, वहीं अमेरिकी प्रकाशन जैसे कि बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट और मैक्आर्थर फाउंडेशन सरीखे संगठनों की पत्रिकाओं में भारतीय परमाणु अस्त्र और अणु कार्यक्रम के बारे में तफ्सील होती है। बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट के मुताबिक, भारत के पास 150-200 परमाणु अस्त्रास्त्र बनाने लायक मात्रा का संवर्धित प्लूटोनियम है और तैयार हथियारों का अनुमानित भंडार 150 है। भारत के पास फास्ट ब्रीडर एवं अन्य प्लूटोनियम रिएक्टरों के बूते परमाणु हथियार ग्रेड परमाणु पदार्थ बढ़ाने की क्षमता भी है। कुख्यात रहे पाकिस्तानी परमाणु वैज्ञानिक डॉ. एक्यू खान के मुताबिक, पाकिस्तान ने चीन को यूरेनियम संवर्धन की सेंट्रीफ्यूगल तकनीक दी थी, जिसकी जानकारी उन्होंने 1970 और 1980 के दशक में यूरोप में काम करते वक्त चुराई थी। बदले में, चीन ने पाकिस्तान को परमाणु अस्त्रास्त्र लायक स्वदेशी यूरेनियम संवर्धन करने की तकनीक साझा की थी। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने इस घटनाक्रम को जानबूझकर अनदेखा किया था क्योंकि तब वे 1978 में चीनी नेता देंग शियाओ पिंग की वाशिंगटन यात्रा के दौरान दिखाए दोस्ताना रवैये से अभिभूत हो चुके थे। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस इंस्टिट्यूट (सिपरी) के आकलन के अनुसार, आज की तारीख में चीन के पास कोई 350 परमाणु अस्त्र हैं, पाकिस्तान की संख्या 165 है, तो भारत के पास 156 आणविक मिसाइलें हैं। भारत ने थलीय मिसाइलों के परीक्षणों के अलावा अपनी तीसरी परमाणु पनडुब्बी को सेवारत किया है, जो 8 बैलेस्टिक मिसाइलों से लैस है। इससे पहले वाली दो पनडुब्बियों में, प्रत्येक में 4

बैलेस्टिक मिसाइलें तैनात हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में अब भारत के पास मिसाइलें पाइपनुमा मौसम-रोधी सील युक्त डिब्बों में रखकर एक से दूसरी जगह पहुंचाने की काबिलियत भी है। नई सुविधा हाल ही में परीक्षणों से गुजरी है और 5000 किमी. तक मार करने वाली अग्नि-पी और अग्नि-वी समेत तमाम अन्य मिसाइलों के लिए उपयुक्त है। चीन ने पाकिस्तान को परमाणु हथियार और कई दूरियों वाली मिसाइलें बनाने का डिजाइन दिया है। उसने पाकिस्तान को जो मिसाइलें दी हैं, उनमें कम दूरी (320 किमी.) की गजनवी से लेकर 2500 किमी. तक मार करने वाली शाहीन-2 और 2780 किलोमीटर रेंज वाली शाहीन-3 शामिल हैं। चीन ने आणविक-अस्त्रों का जो डिजाइन पाकिस्तान को दिया है, वह वही है जो एक्यू खान ने लीबिया और इराक जैसे इस्लामिक देशों से भी साझा किया था। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि 18 दिसंबर, 2021 को भारत ने अग्नि-पी मिसाइल का दूसरा परीक्षण अब्दुल कलाम रेंज नामक एकीकृत परीक्षण स्थल से किया है। इसका पहला टेस्ट जनवरी, 2020 में हुआ था। इससे भारत के लगातार बढ़ते परमाणु पनडुब्बी बेड़े में अग्नि-पी मिसाइलों की तैनाती की संभावना प्रशस्त हो गई है, जिसके पास पहले ही पनडुब्बियों से दागी जाने वाली अग्नि-5 और मल्टीपल वारहैड मिसाइलें हैं। भारत पनडुब्बी से दागी जा सकने और 3500 किमी. रेंज वाली के-4 मिसाइल विकसित कर रहा है। पाकिस्तान ने कभी औपचारिक रूप से अपने परमाणु अस्त्र उपयोग सिद्धांत का खुलासा नहीं किया है। परंतु न्यूक्लियर कमांड ऑथोरिटी के सामरिक योजना विभाग के लंबे अर्से तक मुखिया रहे ले. जनरल खालिद किदवई ने वर्ष 2002 में इटली के लांडाऊ नेटवर्क के भौतिक वैज्ञानिकों को बताया था कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार 'केवल भारत को निशाना बनाने' हेतु हैं। यदि कभी भारत बड़े पाकिस्तानी हिस्से को जीत लेता है या हमारी थल और वायुसेना को भारी नुकसान पहुंचाता है अथवा राजनीतिक रूप से अस्थिर करे, इन सूरतों में भी हम परमाणु हथियार इस्तेमाल करेंगे।

चीनी कर्ज का बढ़ता शिकंजा

अनिल त्रिगुणायत

श्रीलंका द्वारा कर्जों की अदायगी न कर पाने के मामले ने दुनिया का ध्यान चीन के कर्ज शिकंजे की ओर एक बार फिर खींचा है। कर्ज की शर्तों में बदलाव करने के श्रीलंकाई अनुरोध को चीन अभी मानने के लिए तैयार नहीं है। कर्ज के शिकंजे (डेट ट्रैप) का मामला पहले के दौर के साहूकारों द्वारा दिये जानेवाले कर्ज की तरह है, जिसे नहीं चुकाने की स्थिति में वे गिरवी रखी चीज पर कब्जा कर लेते थे। देशों के मामले में ऐसा सीधे नहीं किया जा सकता है क्योंकि संप्रभुता आड़े आ जाती है। जब कोई देश पैसा चुकाने में समर्थ नहीं होता तो वह या तो मोहलत मांगता है या कर्ज देनेवाला देश परियोजना या संसाधन को लेकर भरपाई करने की कोशिश करता है। जब भी कोई देश किसी देश को कर्ज देता है तो वह अपना रणनीतिक प्रभाव स्थापित करने तथा अपने हितों को साधने का भी प्रयास करता है। चूंकि चीन के पास बहुत पैसा है और विकासशील व अविकसित देशों को धन की जरूरत भी है तो उसने एशिया, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका में बड़े पैमाने पर कर्ज दिया हुआ है। उससे कर्ज लेनेवाले देशों की संख्या 130 से अधिक है और उसके अधिकांश कर्ज बेल्ट-रोड परियोजना के तहत दिये गये हैं।

इस संबंध में यह भी उल्लेखनीय है कि निवेश या कर्ज की जरूरत के अलावा कर्जदार देशों के राजनीतिक नेतृत्व को भ्रष्टाचार के जरिये भी लुभाया जाता है। साथ ही किसी परियोजना को जल्दी पूरा करने की चीन की क्षमता का भी असर पड़ता है। चीन की रणनीति यह रही है कि वह बड़े-बड़े कर्ज दे देता है, जिन्हें चुका पाने में कर्जदार देश असमर्थ हो जाते हैं। इस कारण परिसंपत्तियों के प्रबंधन का सारा काम चीनियों के हाथ में चला जाता है। श्रीलंका पर अभी 45 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज है जो उसकी नॉमिनल सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का 60 प्रतिशत है। इसमें से कम से कम आठ अरब डॉलर चीन का उधार है। पाकिस्तान का विदेशी कर्ज उसका कुल घरेलू उत्पादन का लगभग 40 फीसदी है। चीन ने वहां भी बड़े पैमाने पर निवेश किया हुआ है। ऐसे कर्ज से अनेक देशों में चीन के प्रति असंतोष भी बढ़ रहा है, जैसे म्यांमार में चीन के पैसे से बन रही परियोजनाओं का कई वर्षों से विरोध हो रहा है। पाकिस्तान और श्रीलंका में भी सवाल उठाये जा रहे हैं। चीन के ऐसे पैंतरों को अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने नव-उपनिवेशवाद की संज्ञा दी है। ऐसे कम से कम 30-40 देश हैं, जिनकी जीडीपी का न्यूनतम 20 फीसदी चीनी कर्ज है। पाकिस्तान का तो आधा कर्ज चीन के मार्फत हासिल हुआ है। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि जिन देशों में भारी चीनी कर्ज है, वहां इसका असर राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर पड़ता है। श्रीलंका इसका ताजा उदाहरण है। भारत ने पड़ोसी और मित्र देश होने के नाते उसे फौरी राहत देते हुए 912 मिलियन डॉलर का कर्ज मुहैया कराया है। इसके अलावा भारत से खाद्य पदार्थ और ईंधन खरीदने के लिए 1.5 अरब डॉलर की दो क्रेडिट लाइन भी दिया गया है। इसे चीन के बढ़ते वर्चस्व की काट के रूप में भी देखा जा सकता है।

कर्ज के शिकंजे का एक पहलू उस देश की आंतरिक स्थिरता तथा क्षेत्रीय शांति से भी जुड़ा हुआ है। जैसे हमने पहले बात की कि कई देशों में चीन की आर्थिक रणनीति को लेकर असहजता उत्पन्न होने लगी है। उन्हें लगने लगा है कि चीन उनकी आंतरिक परिस्थितियों का लाभ उठाकर राष्ट्रीय संसाधनों के दोहन में लगा हुआ है। इससे चीन को भी परेशानी होने लगी है। कुछ समय पहले पाकिस्तान में चीन के अनेक लोगों की हत्या हुई थी। उसके बाद चीन ने पाकिस्तानी सुरक्षा व्यवस्था को अपर्याप्त मानते हुए कहा कि उसके लोगों और कारोबार की सुरक्षा का जिम्मा चीनी सुरक्षाकर्मी संभालेंगे तथा उसने अपने लोगों को हथियार आदि दे दिया। अब अगर किसी भी देश में दूसरे देश के लोग हथियार लेकर घूमेंगे और अपना आधिपत्य जमाने की कोशिश करेंगे, तो वहां के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। जहां तक चीन की कर्ज रणनीति और कूटनीति में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के हस्तक्षेप का सवाल है तो यह बड़ा उलझा हुआ मसला है। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन की बेल्ट-रोड परियोजना के बरक्स बिल्ड बैक बेटर परियोजना लाने की बात कही थी, लेकिन इस पर मुहर नहीं लग सकी है।

यूरोप ने भी गेटवे प्रोजेक्ट लाने की योजना बनायी थी, लेकिन उसमें भी कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। पश्चिमी देशों का दावा है कि उनका इरादा उगाही करना या संसाधनों पर दखल करना नहीं है, बल्कि यह मूल्य-आधारित सहयोग है। जब तक ये विकल्प ठोस रूप में सामने नहीं आ जाते, चीन को रोक पाना मुश्किल है। चीन की रणनीति स्पष्ट है- किसी देश के नेतृत्व को प्रभाव में लेकर कर्ज देना और वहां के संसाधनों और बाजार तक अपनी पहुंच बनाना। यह सब वह एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ करता है। यह भी है कि जब पश्चिम के देश उन देशों में जाकर बताते हैं कि यह चीन का नव-उपनिवेशवाद है और इससे सावधान रहना चाहिए तो यह भी उत्तर मिलता है कि जब आप का शासन हुआ करता था, तब भी तो उपनिवेशवाद था। इस विश्वास की कमी का फायदा भी चीन को मिलता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जब भी कोई विवादित विषय आता है, तो बहुत सारे देशों के नेता चीन के साथ खड़े हो जाते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जमीनी स्तर पर उन देशों के नागरिकों में चीनी रवैये को लेकर असंतोष नहीं है। देर-सबेर चीन को उनके रोष का सामना करना पड़ेगा और उसे अपने रुख में बदलाव भी लाना होगा।

मुंहासों की समस्या को ठीक कर चेहरे पर निखार लाएगा गेंदे का फूल

निखरी और बेदाग त्वचा लोगों को काफी आकर्षित करती हैं। हालांकि, लाख कोशिशों के बावजूद भी हर वक्त त्वचा में कोई न कोई समस्याएं बनी ही रहती हैं। मुंहासे, दाग-धब्बे, और झाइयां आदि जैसी स्किन प्रॉब्लम हैं, जिससे महिलाएं जूझ रही होती हैं। ब्यूटी प्रोडक्ट और ट्रीटमेंट के बाद भी यह ठीक नहीं होतीं। ऐसे में आपको कुछ नेचुरल चीजों को आजमाने की आवश्यकता होती है। नेचुरल चीजों की बात करें तो गेंदे के फूल त्वचा के लिए काफी चमत्कारी माने जाते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी फंगल, एंटी-ऑक्सीडेंट जैसे गुण त्वचा को कई तरीके से फायदा पहुंचाने का काम करते हैं। कई महिलाएं फूलों को पीसकर इसका पेस्ट अपने चेहरे पर लगाती हैं। मुहांसों को ठीक करने के अलावा यह दाग-धब्बों को भी दूर करने में मदद करता है। फेस पैक या फिर उसका रस चेहरे पर अप्लाई करने से आपको फायदा कुछ ही दिन में नजर आने लगेगा। वहीं गेंदा हर जगह आसानी से उपलब्ध होता है। ऐसे में उसकी पंखुड़ियों को आप अपनी स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

गेंदे के फूल से बनाएं फेस पैक

गेंदे के फूल में एंटी बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो कील-मुहांसों को ठीक करने में मदद करते हैं। अगर आप मुंहासों की समस्या से परेशान हैं तो गेंदा और दही का फेस पैक इस्तेमाल कर सकती हैं। गेंदे के फूल- 2 गाढ़ी दही- 1 चम्मच

बनाने का तरीका

सबसे पहले गेंदे के फूल को अच्छी तरह धो लें। उसकी पंखुड़ियों को अलग-अलग करके रख लें। अब इन पंखुड़ियों का पेस्ट बनाएं और उसमें दही मिक्स कर दें। दोनों को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद इस मिश्रण को अपने चेहरे पर अप्लाई करें। 10 से 15 मिनट बाद इसे हटाएं और गुनगुने पानी की मदद से चेहरे को साफ कर लें। गाल या फिर ठोड़ी के पास मुंहासे अधिक हैं तो इस फेस पैक को हफ्ते में दो बार जरूर अप्लाई करें।

टोनर की तरह चेहरे पर करें अप्लाई

स्किन ऑयली है और आपके पास समय नहीं है तो गेंदे के फूल से बना टोनर ट्राई कर सकती हैं। डेड स्किन और त्वचा को मॉइस्चराइज रखने के लिए यह प्रभावी तरीके से काम करेगा। टोनर बनाने के लिए आपको गेंदा और एलोवेरा जेल की आवश्यकता होगी। इसके लिए 4 से 5 गेंदे के फूल की पंखुड़ियों को निकाल लें और उसे एक ग्लास पानी में उबालने के लिए रख दें। जैसे ही पानी की मात्रा बिल्कुल कम हो जाए उसे छान लें। छानने के बाद 2 से 3 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। शुरुआत में इसे कम मात्रा में बनाएं। अब इसे एक स्प्रे बॉटल में ट्रांसफर कर दें। सुबह और शाम अपने चेहरे पर स्प्रे करें और फिर कॉटन बॉल से चेहरे को पोंछे।

ड्राई स्किन के लिए फेस पैक

गेंदे के फूल से बना फेस पैक ना सिर्फ दाग-धब्बों को दूर करेगा बल्कि यह त्वचा को नेचुरली मॉइश्चराइज रखने में मदद करेगा। इसके लिए आपको पंखुड़ियों के साथ-साथ कुछ अन्य चीजों को मिक्स करने की आवश्यकता होगी। गेंदे के फूल का पेस्ट- 2 चम्मच
शहद- 5 से 6 बूंद
मलाई- 1/4 चम्मच
हल्दी- 1 चुटकी

बनाने का तरीका

इन सभी चीजों को एक साथ मिक्स कर दें। कोशिश करें कि फेस पैक थिक कंसिस्टेंसी में हो क्योंकि गीला हो जाने के बाद चेहरे पर लगाना मुश्किल हो जाता है। फेस पैक लगाने से पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह साफ कर लें। वहीं फेस पैक तैयार हो जाने के बाद उसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। 15 मिनट बाद हाथों को सर्कुलर मोशन में रब करते हुए फेस को क्लीन करें।

स्क्रब की तरह करें इस्तेमाल

फेस पैक, टोनर के अलावा आप गेंदे के फूल को स्क्रब करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए तरीका बहुत सिंपल है। फूलों को पीसकर पेस्ट बना लें। अब एक बाउल में 2 चम्मच पेस्ट लें और उसमें डेढ़ चम्मच चावल का पाउडर मिक्स कर दें। दोनों को अच्छी तरह मिक्स करने के बाद अपने चेहरे पर अप्लाई करें और सर्कुलर मोशन में रब करें। 10 मिनट तक ऐसा करने के बाद अपने चेहरे को क्लीन कर लें। डेड स्किन से राहत पाने के अलावा स्किन की रंगत भी साफ हो जाएगी।

हंसना मना है

पत्नी: जरा किचन से आलू लेते आना। पति: यहां तो कहीं आलू दिख नहीं रहे हैं। पत्नी: तुम तो हो ही अंधे, कामचोर हो, एक काम ढंग से नहीं कर सकते, मुझे पता था कि तुम्हें नहीं मिलेंगे इसलिए मैं पहले ही ले आई थी! अब आदमी की कोई गलती हो तो बताओ।

पति और पत्नी में बातचीत बंद थी सुबह पति को जल्दी जाना था। उसने रात को पेपर पर लिखा मुझे सुबह 5 बजे उठा देना। अर्जेंट काम है और पेपर वाइफ के तकिये के पास रख दिया। सुबह 8 बजे जब उठा तो देखा उसके ऊपर बहुत सारे पेपर पड़े थे और सब पर लिखा था, उठ जाओ 5 बज गए, Please उठ जाओ वरना लेट हो जाओगे। सो पत्नी से पंगा नहीं लेना चाहिए।

एक बूढ़ा बस में सीट पर अकेला बैठा था। तभी एक बुढ़िया आई और उसके बगल में बैठ गयी। कुछ देर बाद बुढ़िया बूढ़े से बोली: अंकल जी कहां जा रहे हो। तो बूढ़ा चुप बैठा रहा। बुढ़िया फिर बोली- अंकल जी कहां जा रहे हो? अब बूढ़े से चुप नही रहा गया और बोला- बेटी तू बहुत सुन्दर है, जवान है, तेरे खातिर लड़का देखने जा रहा हूं।

आंख का डॉक्टर: (लेडी पेशेंट की आंखें चेक करते हुए) डॉक्टर: मैडम.. अपने हसबेंड को जैसे देखती हो वैसे देखो। लेडी: लेकिन क्यों? डॉक्टर: आंखों में आई ड्राप डालना है।

कहानी — बिल्लियों की लड़ाई

एक बिल्ली को रोटी का एक टुकड़ा दिखाई दिया। वह बहुत भूखी थी इसलिए जल्दी से उस टुकड़े की ओर दौड़ी। इससे पहले कि वह टुकड़े तक पहुंच पाती, एक दूसरी बिल्ली ने भी उस टुकड़े को देख लिया। वह टुकड़े के नजदीक ही खड़ी थी इसलिए उसने लपककर रोटी के टुकड़े को उठा लिया। इस बात पर दोनों बिल्लियां लड़ने लगीं। मैंने इसे पहले देखा था, इसलिए यह मेरा है। पहली बिल्ली बोली लेकिन इसे उठाया तो पहले मैंने है न! इसलिए यह मेरा है। दूसरी बिल्ली जोर से म्याऊँ कहकर बोली। मेरा है मेरा है नहीं मेरा है नहीं मेरा है मेरा मेरा और इस तरह दोनों जोर-जोर से चिल्लाने और झगड़ने लगीं। यह शोर छत पर बैठे एक बंदर ने सुना। वह नीचे उतरा और बिल्लियों से बोला, बिल्लियों, तुम लड़ो नहीं, मैं तुम्हारी मदद करता हूं। कैसे? बंदर बोला, तुम दोनों इस टुकड़े को आधा-आधा बराबर बांट क्यों नहीं लेतीं। यह बात दोनों बिल्लियों को अच्छी लगी लेकिन कौन इस रोटी को बराबर बांटेगा? यह काम मैं करूंगा। बंदर बोला। उसने रोटी हाथ में ली और दो हिस्सों में तोड़ दी लेकिन एक टुकड़ा थोड़ा-सा बड़ा और दूसरा थोड़ा-सा छोटा था। बंदर बोला, इन टुकड़ों को बराबर करना ही होगा। नहीं तो तुम दोनों फिर से लड़ने लगोगी। यह कहकर उसने बड़े टुकड़े में से एक भाग तोड़कर खा लिया। लेकिन यह क्या? अब दूसरा टुकड़ा बड़ा हो गया। उसे छोटा करने के लिए उसने इस बार दूसरे टुकड़े में से एक भाग तोड़ा और खा गया। अब परेशानी यह हुई कि पहले वाला टुकड़ा बड़ा हो गया। तो उसने अब पहले वाला टुकड़ा लिया और उसमें से थोड़ा-सा खा गया। बिल्लियां चुपचाप खड़ी देख रही थी और बंदर को कुछ कह भी नहीं पा रही थी। देखते-ही देखते बंदर ने एक-एक भाग खाते-खाते सारी रोटी खत्म कर दी और खौं-खौं करते हुए भाग गया। और बिल्लियां बेचारी क्या करती। उनकी लड़ाई में बंदर ने फायदा जो उठा लिया था।

7 अंतर खोजें

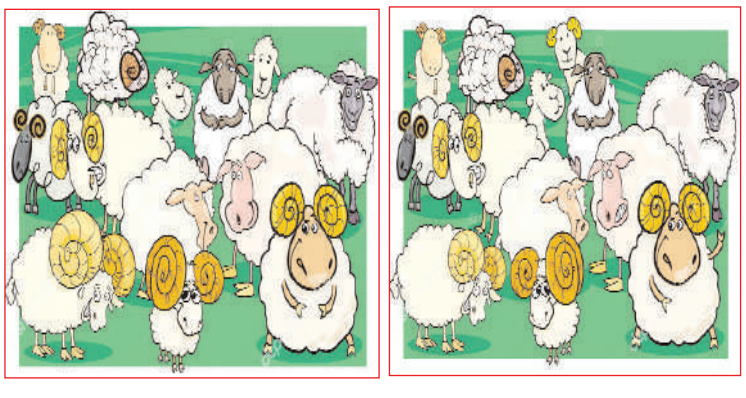

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन अच्छा रहेगा। कठिन परिश्रम से कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। कारोबार विस्तार की नई योजनाएं बना सकते हैं। आर्थिक लाभ मिलने के योग रहेंगे। रुके हुए काम गति पकड़ेंगे।

वृषभ

कारोबार में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग हैं। काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम मिलेंगे। रुके हुए कार्य शुरू होंगे, जिससे मन में उत्साह रहेगा।

मिथुन
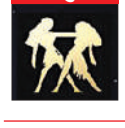
आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यवसाय के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। धनलाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

कर्क

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यस्थल पर कुछ चीजें परेशान कर सकती हैं, लेकिन अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगी और आर्थिक लाभ की स्थिति रहेगी। मित्रों और परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय बीतेगा।

सिंह

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधे में आर्थिक लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार की योजनाएं बना सकते हैं, लेकिन जलाशय, जमीन-जायदाद के दस्तावेज आदि से दूर रहें।

कन्या
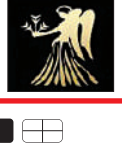
आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग हैं। नौकरी खोजने के प्रयास सफल रहेंगे। परिश्रम की अधिकता रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला

आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है। धन का खर्च अधिक हो जाने से मन व्यग्र रहेगा। आर्थिक मामलों में संभलकर चलें। नौकरी पैशा वालों के लिए समय अच्छा रहेगा।

वृश्चिक

आज का दिन कारोबारियों के लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं। शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पारिवारिक वातावरण आनंदप्रद रहेगा।

धनु
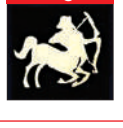
कार्यक्षेत्र में आर्थिक लाभ रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे और नए सौदों को अंतिम रूप दे सकते हैं। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी, जो लाभप्रद रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

मकर

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा और सभी कार्य सफल होंगे। व्यापार में नए सौदे होने की संभावना बनेगी। कार्य से संबंधित यात्रा सफल होगी। आकस्मिक धनलाभ हो सकता है।

कुम्भ
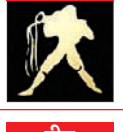
कारोबार में छोटी-छोटी अड़चनें आ सकती हैं। कार्यभार की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक तथा मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन

कार्यों में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा लेकिन काम की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से शिथिलता का अनुभव करेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है, जो लाभदायक रहेगी।

रफ्तार में है रकुल प्रीत की किस्मत

रकुल प्रीत सिंह के सितारे इन दिनों बुलंदी पर हैं। एक्ट्रेस के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिसकी वजह से वह इस पूरे साल काफी व्यस्त रहने वाली हैं। इस साल रकुल की एक के बाद एक 7 फिल्में रिलीज होने के लिए तैयार हैं, जिनमें से छह हिंदी फिल्में हैं। बॉलीवुड में उनके प्रोजेक्ट्स में आयुष्मान खुराना के साथ डॉक्टर जी, अमिताभ बच्चन और अजय देवगन के साथ रनवे 34, अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ थैंक गॉड, छतरीवाली, अटैक और अक्षय कुमार के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म शामिल हैं।

इस साल रिलीज होने जा रही हैं सात फिल्में

बेहद उत्साहित हैं रकुल

अपनी सभी फिल्मों को लेकर रकुल काफी उत्साहित हैं। उन्होंने इसे लेकर हाल ही में कहा, मैं उम्मीद कर रही हूं कि 2022 मेरे सबसे अच्छे वर्षों में से एक होगा। मैं वास्तव में 2022 का इंतजार कर रही थी, क्योंकि 7 फिल्में हैं जो रिलीज के लिए तैयार हैं, 6 हिंदी में। मुझे उन सभी की शूटिंग करने में एक अद्भुत अनुभव हुआ है। हर किरदार एक दूसरे से बहुत अलग है, प्रत्येक फिल्म एक अलग शैली की है।

हर फिल्म में अलग होगा रकुल का रूप

रकुल ने आगे कहा फिल्म अटैक एक एक्शन फिल्म है, तो रनवे 34 में मैं एक पायलट की भूमिका निभा रही हूं। वहीं, डॉक्टर जी में मैं एक स्त्री रोग विशेषज्ञ की भूमिका निभा रही हूं। इसके अलावा थैंक गॉड एक कमर्शियल है। रकुल कहती हैं, मुझे उम्मीद है कि लोग वास्तव में इसे पसंद करेंगे। इन फिल्मों के लिए शूटिंग करना एक अद्भुत अनुभव रहा है और अब उनके बाहर आने का समय है। मैं बस इन फिल्मों के शुरू होने का इंतजार कर रही हूं।

बॉलीवुड | मसाला

CID के ACP प्रद्युमन को नहीं मिल रहा काम

टी टी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का जादू दिखाने वाले दिग्गज अभिनेता शिवाजी साटम पिछले काफी समय से फिल्मी पर्दे से नदारद हैं। आज भी लोग उन्हें एसीपी प्रद्युमन के नाम से ज्यादा जानते हैं। उन्होंने करीब 23 सालों तक टीवी शो सीआईडी में अपने किरदार को बखूबी संभालकर रखा। इसी की बदौलत उन्होंने घर-घर में अपनी एक पहचान हासिल की। शिवाजी ने नायक, वास्तव और सूर्यवंशी जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों और समीक्षकों को अपनी तारीफ करने के लिए मजबूर कर दिया था। हालांकि, उन्हें सही पहचान CID से ही मिली। हालांकि, इंडस्ट्री में एक लंबा वक्त बिताने के

बाद भी शिवाजी आज काम के लिए मोहताज हो गए हैं। उन्होंने हाल ही में अपने एक एंटरव्यू के दौरान अपनी मुश्किलों और काम न मिल पाने का दर्द बयां किया है। शिवाजी ने कहा, मैं यह नही कह सकता कि मुझे बेहिसाब काम मिल रहा है। अगर काम नहीं है तो नहीं है। मुझे जो भी थोड़े बहुत किरदार मिल रहे हैं, वो भी कोई बहुत खास नहीं हैं। मैं मराठी थिएटर से हूं। मैंने अपने करियर में सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स के लिए काम किया है, जो मुझे अच्छे लगे। यह मेरे लिए बहुत दुख की बात है कि आज ज्यादा दमदार किरदार लिखे ही नहीं जा रहे हैं और यह हर तरफ से नुकसान ही है। शिवाजी ने आगे कहा, काम न मिल पाने की वजह से मैं घर में ही बैठकर बोर होने पर मजबूर हो गया है। एक कलाकार होने के नाते मैं अपने काम को बहुत मिस करता हूं।

बॉलीवुड | मन की बात

मनोज बाजपेयी ने बंद किया नई स्क्रिप्ट्स पढ़ना

मनोज बाजपेयी के पास इस समय कई प्रोजेक्ट्स हैं। ऐसे में अब वह पूरे सालभर काफी व्यस्त रहने वाले हैं। इसे लेकर एक्टर का कहना है कि उनके पास जो एग्रीमेंट्स हैं, वह 2023 के अंत तक ऐसे ही रहने वाली हैं। साल 2022 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मनोज बाजपेयी के लिए बहुत व्यस्त रहने वाला है क्योंकि वह इस साल राम रेड्डी की अनटाइटल्ड फिल्म, कानू भेल की डिस्पैच, अभिषेक चौबे की फिल्म और राहुल चितेला की फिल्म जैसे नए प्रोजेक्ट के लिए बैक-टू-बैक शूटिंग शुरू करने वाले हैं। बता दें कि मनोज बाजपेयी ने हाल ही में दो प्रोजेक्ट पर काम खत्म किया है। इनमें से एक राम रेड्डी की अनटाइटल्ड फिल्म है, जिसमें उनके साथ दीपिक डोबरियाल भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड की खूबसूरत जगहों पर हुई। फिर, उन्होंने कानू बहल द्वारा निर्देशित आरएसवीपी के डिस्पैच को समाप्त किया, जो अपराध पत्रकारिता की दुनिया में स्थापित एक खोजी थ्रिलर है। मनोज बाजपेयी का कहना है, मैं बहुत व्यस्त हूं। मेरी प्रतिबद्धता 2023 के अंत तक इसी तरह रहने वाली हैं। मुझे उन सभी फिल्मों को पूरा करना है, जिनके लिए मैं प्रतिबद्ध हूं। अब इसी कारण वह किसी भी नए प्रोजेक्ट को शुरू नहीं कर सकते हैं। फिलहाल मनोज, अभिषेक चौबे की अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनके साथ कोंकणा सेन को भी लीड रोल में देखा जाएगा। कोरोना वायरस के कारण शूटिंग फिलहाल रुकी हुई है, लेकिन एक बार स्थिति नियंत्रण में आने के बाद मनोज काम फिर से शुरू कर देंगे और अपनी 10 दिनों की शूटिंग पूरी करेंगे। इसके बाद वह राहुल चितेला के प्रोजेक्ट के लिए भी काम करना शुरू कर देंगे।

इस शख्स को सिर्फ सोने के लिए मिली 5 साल तक सैलरी!

सोशल मीडिया पर आज कल लोग अपने जीवन से जुड़ी घटनाएं शेयर करते हैं। एक शख्स ने ऑनलाइन शेयरिंग साइट Reddit पर अपने जीवन से जुड़ी एक ऐसी बात बताई है जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इस शख्स ने अपनी नौकरी के अनुभव को शेयर किया है। उसने पांच साल तक नौकरी के दौरान कुछ नहीं किया लेकिन उसकी सैलरी भी बढ़ती रही और प्रमोशन भी मिलता रहा। इस शख्स ने सोशल मीडिया साइट्स पर बताया है कि साल 2015 में उसने डाटा एंट्री के पद पर नौकरी की शुरुआत की थी। उसने बताया कि ईमेल से कुछ दस्तावेज भेजे जाते थे जिनकी सूचना को सिस्टम में फीड करना होता था। उसने आगे जो बातें बताई हैं वो और हैरान करने वाली हैं। शख्स ने बताया है कि वह रात भर काम नहीं करता था लेकिन उसको इसका कोई नुकसान नहीं हुआ। उस शख्स ने बताया है कि वह अपनी नौकरी कैसे करता था। उसका कहना है कि वह एक कोड के जरिए अपना पूरा काम कुछ मिनटों में कर देता था। इस शख्स ने इस कोड को एक फ्रीलांसर से विकसित करवाया था क्योंकि उसको कोडिंग नहीं आती थी। उसने अपने दो महीने की सैलरी कोडिंग डेवलप कराने पर खर्च किया था। उसे सिर्फ इतना करना था कि वह एक घंटे में कितने ऑर्डर प्रोसेस करना है। कंपनी ने ट्रांसपोर्ट के पैसे बचाने के लिए शख्स को वर्क फ्रॉम होम करने की इजाजत दी थी। कोडिंग के बाद वह रात भर का काम सिर्फ 5 मिनट में कर लेता था। शख्स का कहना है कि वह कम्प्यूटर को चलाता था और छोड़ देता था। इसके बाद वह फिल्में देखता था या सो जाता था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि उसके नौकरी के दौरान प्रमोशन भी मिला और उसकी सैलरी भी बढ़ी। सब कुछ सेट करने की वजह से उसने अपनी नौकरी भी नहीं छोड़ी और छुट्टी नहीं लेने की वजह से उसकी सैलरी भी बढ़ाई गई। उसका कोई साथी उसके बराबर काम करता था तो वह कोड में बदलाव कर अपना काम बढ़ा लेता था।

अजब-गजब | सामने आई मौत की घाटी की तस्वीरें

जो यहां गया वो वापस नहीं लौटा!

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो रहस्यमयी हैं। इन जगहों पर अजीबोगरीब घटनाएं होती हैं। इन रहस्यमयी जगहों में से कई ऐसी जगहें भी हैं, जिनके राज आज तक कोई नहीं सुलझा पाया। ऐसी ही एक जगह रूस में भी है। हालांकि यह देश इस जगह के बारे में बात करने से बचता है। इस जगह को वैली ऑफ डेथ भी कहा जाता है। अब इस रहस्यमी जगह की तस्वीरें सामने आई हैं। बताया जाता है कि यहां कई रहस्यमयी मौतें हो चुकी हैं। कहते हैं कि जो भी इस घाटी में जाता है वह जिंदा बाहर नहीं आता।

जानवरों का कब्रगाह

वैली ऑफ डेथ के नाम से मशहूर इस जगह पर कई लोगों की मौतें हो चुकी है। यह जगह रूस के ईस्ट में स्थित है। ज्वालामुखी के केंद्र इस जगह के ऊपर बिछी सफेद बर्फ की चादर देखने में बहुत सुंदर लगती है लेकिन यह जगह है बहुत खतरनाक। इस जगह को जानवरों का कब्रगाह कहा जाता है, लेकिन इंसानों के लिए भी ये उतना ही खतरनाक है।

इंसानों की एंट्री पर बैन

रूसी सरकार ने इस जगह पर इंसानों की एंट्री पर बैन लगा रखा है। कहा जाता है कि

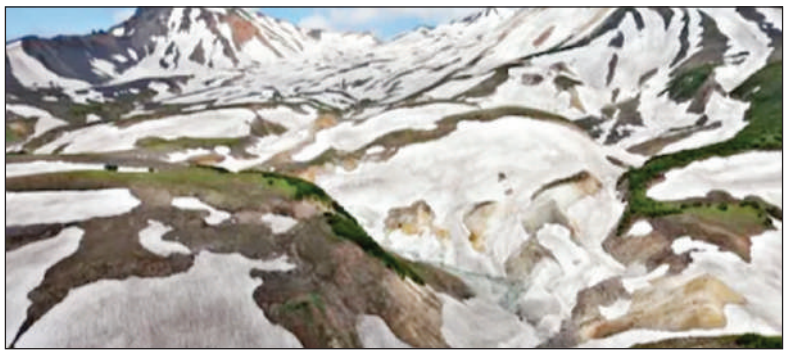

जब इस जगह पर बर्फ पिघलती है, तब यहां कई तरह के जानवर शिकार पर निकलते हैं। हालांकि ये शिकारी जानवर जल्द मौत के मुंह में समा जाते हैं। अब तक इस राज का पता नहीं चल पाया है कि ये कैसे मरते हैं। अधिक ठंड की वजह से जानवरों की लाश यहां प्रिजर्व हो जाती है। इन मृत जानवरों की बॉडी पर चोट के निशान भी नहीं होते हैं।

ऐसी कहानी है प्रचलित

इस जगह के बारे में कई किस्से-कहानियां प्रचलित हैं। कहा जाता है कि बीसवीं सदी से पहले यह जगह लोगों की नजरों से दूर थी। कहा जाता है कि 1930 में दो शिकारी इस जगह पर सबसे पहले गए थे। वहां उन्हें कई जानवरों की लाश दिखाई दी। इसके कुछ देर बाद दोनों के ही सिर में भीषण दर्द होने लगा। इस पर दोनों शिकारी तुरंत वहां से भाग गए। नीचे उतरकर शिकारियों ने इस जगह की जानकारी बाकि लोगों को दी।

अब तक 80 लोगों की मौत हो गई

बताया जाता है कि अब तक इस घाटी में करीब 80 लोगों की मौत हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि ज्वालामुखी से निकलने वाले खतरनाक धुएं की वजह से जानवरों और इंसानों की मौत हो जाती है। हालांकि, अभी तक इसका कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है। वहीं रूस इस जगह के बारे में किसी से बातचीत नहीं करता। इसे पूरी तरह सीक्रेट रखे हुए है।

प्रतापगढ़ में जिंदा जले दो मासूम, परिवार में कोहराम

» सोते समय हुआ हादसा, दरवाजा बंद कर बाहर गयी थी मां

» आग के कारणों का अभी तक नहीं चल सका है पता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। जनपद में घर में सो रहे दो मासूम भाइयों की आग से जलकर मौत हो गई। हादसा आज सुबह उस समय हुआ जब दोनों बच्चे कमरे में सो रहे थे। उनकी मां बाहर से दरवाजा बंद कर शौच को गई थी। लौटी तो नजारा देख गरीब लाचार व मजदूर मां अचेत हो गई। किसी प्रकार आग को बुझाया गया। आग कैसे लगी यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रतापगढ़ के संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के भुलना का पुरवा भद्विव गांव निवासी दिलीप कुमार की मौत बीमारी के कारण दो वर्ष पूर्व हो चुकी थी। दिलीप के दो बेटे इशांत 8 वर्ष कृष्ना 6 वर्ष अपनी मां नीलम के साथ रहते थे। नीलम मेहनत मजदूरी कर किसी तरीके से दोनों बच्चों का भरण पोषण कर रही थी। गुरुवार की रात नीलम अपने दोनों बच्चों के साथ खाना पीना खाकर सो गई। दोनों बच्चे मां नीलम के साथ एक ही कमरे में सो रहे थे। आज भोर करीब 5 बजे नीलम दोनों बेटे को सोते हुए छोड़कर शौच के लिए बाहर गई। उसने बाहर से दरवाजे में सिटकनी लगा दिया। जब वह लौट कर आई तो दोनों बेटे आग का गोला बने हुए थे। यह देख वह शोर मचाते हुए दोनों बेटों पर पानी डालकर बुझाने का प्रयास करने लगी। हालांकि तब तक वह काफी झुलस चुके थे और दोनों की मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। कुछ ही देर में वहां पहुंची संग्रामगढ़ थाने की पुलिस ने नीलम व आसपास के लोगों से पूछताछ करने के बाद कमरे का मुआयना किया। इसके बाद बच्चों के शवों को कब्जे में ले लिया। हालांकि अभी यह रहस्य बना है कि कमरे में आग कैसे लगी। कहीं ऐसा तो नहीं कि किसी ने आग लगाई हो। फिलहाल इन सब कयासों की पुलिस छानबीन कर रही है। दोनों बेटों की मौत से मां नीलम अचेत पड़ी हुई है। घटना को लेकर ग्रामीण अचंभित है कि आखिर यह कैसे हो गया।

सड़क हादसे में तीन की मौत

लखनऊ। लखनऊ में तेज रफ्तार कार डिवाइडर पार्क में जा घुसी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक पुनीत मोटर्स की कार तीन कर्मचारी लेकर टेस्ट ड्राइव के लिए किसी ग्राहक के घर जा रहे थे। एसीपी हजरतगंज अखिलेश सिंह के मुताबिक गुरुवार सुबह करीब 11 बजे पॉलीटेक्निक की तरफ से तेज रफ्तार कार 1090 कार्यालय के पास बने डिवाइडर पार्क में जा घुसी। हादसे में डिवाइडर पार्क के पास खड़े होकर अपने साथी का इंतजार कर रहे बाइक सवार कन्नौज सौरीख निवासी वहीद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार के परखच्चे उड़ गये। हादसे के वक्त कार में एजेंसी के तीन कर्मचारी मौजूद थे। दो कस्टमर एडवाइजर मनीष दुबे और अरुण पांडेय थे। वहीं कार आजमगढ़ का रामनिवास चला रहा था। हादसें में वहीद और रामनिवास की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार सवार दोनों को घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकालकर सिविल अस्पताल भेजा। जहां मनीष दुबे को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, अरुण को गंभीर हालत देख लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

ईडी के छापों से गरमाई पंजाब की सियासत, निशाने पर सीएम चन्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आप ने कसा तंज, कहा 111 दिन की कांग्रेस सरकार ने कर दिया कमाल

» भाजपा और अकाली दल ने भी साधा निशाना

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों को लेकर पंजाब की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी विपक्षी दलों के निशाने पर आ गए हैं। भाजपा, आप और शिअद के इस मामले को लेकर एक सुर हो गए हैं और वे लगातार चन्नी पर हमले कर रहे हैं। भाजपा ने मुख्यमंत्री से पूछा है कि यह 10 करोड़ रुपये कहां से आए हैं। आप ने भी सियासी हमला करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री ने 111 दिन की सरकार में कमाल ही कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महासचिव सुभाष शर्मा ने मुख्यमंत्री से पूछा है कि ईडी के छापे में बरामद 10 करोड़ रुपये कहां से आए हैं। 12 लाख की रोलेक्स घड़ी कौन पहन रहा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब बेनकाब हो गई है। इधर, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि ईडी की रेड में कांग्रेस के आम आदमी की असलियत सामने आ गई है। रेड में अब तक आम आदमी के रिश्तेदारों से 10 करोड़ से ज्यादा की नकद रकम, 56 करोड़ रुपये की बैंक एंट्रियां, महंगी कारों के कागजात मिल चुके हैं। दो दिन की रेड में करोड़ों रुपये का खुलासा हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब का पैसा कांग्रेस के आम आदमी के पास कैसे पहुंचा। चुनाव में पंजाब के लोग इसका कांग्रेस के नेताओं से हिसाब मांगेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने कहा है कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के परिवार के सदस्यों ने 111 दिन के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान रेत खनन के जरिये करोड़ों रुपये कमा लिए हैं। ईडी द्वारा मुख्यमंत्री के भतीजे के आवास पर छापे और 11 करोड़ रुपये के सामान और पैसे की वसूली के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि राज्य में रेत माफिया चन्नी द्वारा चलाया जा रहा है।

कोरोना ने डराया एक दिन में 3.47 लाख संक्रमित

» संक्रमण से ठीक होने वालों की दर घटी, 703 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण भयावह होता जा रहा है। पिछले दो दिन से तीन लाख से ऊपर मरीज सामने आ रहे हैं। बीते 24 घंटे के अंदर 3.47(3,47,254) लाख से ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीज दर्ज किए गए। यह संख्या गुरुवार के मुकाबले 29,722 ज्यादा है। इसके बाद देश के अंदर संक्रमित मरीजों की संख्या में भारी उछाल आया है। अब 20,18,825 मरीज कोरोना संक्रमण का इलाज करा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, देश में कोरोना से ठीक होने वालों की दैनिक दर घटना शुरू हो गई। अब यह 93.50 प्रतिशत पहुंच गई है।

देश में कोरोना की संक्रमण दर में भी उछाल देखने को मिला है। दो दिन से तीन लाख मामले सामने आने के बाद संक्रमण दर 17.94 प्रतिशत पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, 2,51,777 लोग 24 घंटों में ठीक होकर अपने घर लौट गए। देश में कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या में भी भारी उछाल हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक, 703 लोगों की मौत कोरोना की वजह से हुई जबकि एक दिन पहले यह संख्या 491 थी।

ओमिक्रॉन ने भी पकड़ी रफ्तार

कोरोना के साथ ओमिक्रॉन संक्रमण भी तेजी से फैलता जा रहा है। अब देश में कुल 9692 लोग ओमिक्रॉन से संक्रमित हैं। कल के मुकाबले आज यह संख्या 4.36 प्रतिशत ज्यादा है।

बेरोजगारों ने सिर मुंडवा कर जताया विरोध

» माघ मेले में सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माघ मेले में बेरोजगार प्रतियोगी छात्रों ने सरकार के खिलाफ गुरुवार को प्रदर्शन किया। लोक सेवा आयोग की भर्तियों में हुई धांधली और सीबीआई जांच का नतीजा न आने से छात्र नाराज है। प्रतियोगी छात्रों ने सिर मुंडवाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच नोक-झोंक हुई। कई प्रतियोगी छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

छात्र अनमोल पांडेय और आशुतोष का कहना है कि हम लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपना मुंडन संस्कार करवा रहे थे लेकिन पुलिस प्रशासन हमारे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार कर रही है। हम लोग संगम पर आकर अपने बाल मुंडवा रहे थे तभी मेले में तैनात पुलिसकर्मी आए और हम लोगों को हटाने का प्रयास किया। छात्रों का कहना है कि हम शांति से प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन पुलिस तानाशाही कर रही है। इस सरकार ने न वैकेंसी निकाली न ही भर्ती कर रही है।

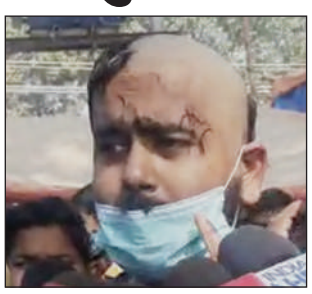

विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं एक फरवरी से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) से संबद्ध कॉलेजों की यूजी-पीजी की विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं एक फरवरी से चार मार्च तक होंगी। विवि प्रशासन ने गुरुवार को परीक्षा कार्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। परीक्षा दो पालियों में सुबह साढ़े 10 बजे से साढ़े 11 बजे तक और दोपहर एक बजे से ढ़ाई बजे के बीच होगी। पेपर की अवधि तीन घंटे से घटाकर डेढ़ घंटा की गई है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. अश्वनी कुमार ने बताया कि विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं में एमए, एमएससी, एमकॉम, एमएससी होम साइंस, एमएससी एजी, एलएलबी-एलएलएम, बीएससी एजी, बीएससी होम साइंस आदि कोर्स शामिल हैं।

पश्चिमी यूपी में भाजपा प्रत्याशियों का विरोध बता रहा हवा का रुख

» कृषि कानूनों की वापसी के बाद भी किसानों में आक्रोश बरकरार

» भाजपा को उठाना पड़ेगा खामियाजा 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सियासी पारा चढ़ गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने विधान सभा क्षेत्र खतौली के मुनव्वरपुर गांव में प्रचार करने गए भाजपा प्रत्याशी विक्रम सैनी को ग्रामीणों ने दौड़ा लिया है। इससे पहले भी भाजपा के कई नेताओं को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा था। सवाल यह है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा प्रत्याशियों का विरोध क्यों हो रहा है? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार जयशंकर गुप्ता, सबा नकवी, ममता त्रिपाठी, किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. सुनीलम, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

रविकांत ने कहा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश जाट बाहुल्य है। वे अधिकांशत: किसान है। किसानों को अपमानित किया गया था। इससे वे आक्रोशित हैं। भाजपा के झूठे वादों से लोग नाराज हो चुके हैं। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा, लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। सत्ता धारी विधायकों को जब विरोध होता है तो इसका असर पड़ता है। इसका खामियाजा भाजपा को उठाना पड़ेगा। जयशंकर गुप्ता ने कहा, जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आक्रोश है। आंदोलन के समय ये जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचे थे लिहाजा ये गुस्सा लाजिमी है। ममता त्रिपाठी ने कहा, कोरोना काल में जो कुछ हुआ उसे जनता भूली नहीं है। विधायकों की कहीं सुनी ही नहीं गयी। आखिर वे क्या करें। सारे विधायक नाराज है। लिहाजा जनता गुस्से में हैं। सबा नकवी ने कहा, किसानों में आक्रोश है। बावजूद इसके सभी जाट भाजपा के खिलाफ नहीं है। किसान नेता डॉ. सुनीलम ने कहा कि अभी तक किसानों को मुआवजा नहीं मिला न ही उनके परिवार को नौकरी मिली है। एमएसपी पर कमेटी नहीं बनी है।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

फोटोः सुमित कुमार

गणतंत्र दिवस की तैयारी, जवानों ने किया रिहर्सल

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। गणतंत्र दिवस को लेकर आज पुलिस लाइन परिसर में पूर्वाभ्यास किया गया। गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह की तैयारी पुलिस लाइन में एक सप्ताह से चल रही है। परेड ग्राउंड का रंगरोगन किया गया है। पुलिस ने विधिवत रिहर्सल किया। परेड की सलामी ली गई। मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसमें सेना, पुलिस और एनसीसी कैडेट ने भाग लिया।

करहल से चुनाव लड़ेंगे अखिलेश, चढ़ा सियासी पारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सपा ने कयासों को दिया विराम
तेज प्रताप यादव को बनाया गया चुनाव प्रभारी
युवक ने खून से लिख दिया स्वागत में खत

लखनऊ। मैनपुरी की करहल सीट से विधान सभा चुनाव लड़ने के सपा प्रमुख अखिलेश यादव के फैसले से सियासी पारा चढ़ गया है। दूसरे राजनीतिक दलों के प्रत्याशी इस लड़ाई को कैसे लड़ेंगे इस पर मंथन शुरू हो गया है। वहीं न केवल सपा बल्कि यादवों बेल्ट में अखिलेश के फैसले का स्वागत हो रहा है।

सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने अखिलेश यादव के करहल से चुनाव लड़ने की पुष्टि की। इससे पहले अखिलेश यादव ने इसका संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि हम तो सीएम योगी आदित्यनाथ से पहले चुनाव लड़ेंगे। अखिलेश यादव के चुनाव का प्रभारी तेज प्रताप यादव को बनाया गया है। मैनपुरी से ही मुलायम सिंह यादव सांसद हैं। यहां पर 20 फरवरी को मतदान होगा। इसके पहले कयास लगाए जा रहे थे कि अखिलेश यादव आजमगढ़ की किसी सीट या फिर बदायूं के गुन्नौर से चुनावी मैदान में आएंगे लेकिन उनको पार्टी ने पैतृक सीट से मैदान में उतार दिया गया है। इस सीट पर समाजवादी पार्टी पिछले 30 वर्ष से चुनाव नहीं हारी है। सपा मुखिया अखिलेश यादव के आजमगढ़ को छोड़ करहल से चुनाव लड़ने के प्रस्ताव पर मुहर लगाने के बाद मैनपुरी में चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो चुका है। करहल से सपा विधायक सोबरन सिंह यादव ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदेश में जिस भी सीट से चुनाव लड़ेंगे जीत जाएंगे। उन्होंने करहल सीट को चुना है तो यह मेरा सौभाग्य है। मैंने खुद लखनऊ जाकर उनसे आग्रह किया था। वह बड़े अंतर से जीत हासिल करेंगे। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव के करहल से चुनाव लड़ने की चर्चा के बीच कस्बा भोगांव निवासी सक्रिय कार्यकर्ता मोहित यादव ने उन्हें खून से पत्र लिखकर आमंत्रित किया है। कस्बा भोगांव निवासी मोहित यादव पुत्र दलवीर सिंह यादव सपा के सक्रिय सदस्य हैं। गुरुवार की दोपहर उन्होंने अपने खून से अखिलेश यादव के नाम एक पत्र लिखकर पार्टी मुख्यालय के लिए भेज दिया। दोपहर बाद इसे इंटरनेट मीडिया पर वायरल भी कर दिया गया।

यूपी में अकेले चुनाव लड़ेगा जनसत्ता दल

» पार्टी प्रमुख राजा भैया ने किया ऐलान, गठबंधन से किया इंकार

» अभी 17 सीटों पर घोषित किए गए हैं प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रतापगढ़। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रतापगढ़ के कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप उर्फ राजा भैया ने गठबंधन को लेकर पहली बार बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया है कि उनकी पार्टी अकेले अपने दम पर 2022 विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इसके साथ राजा भैया ने कहा कि जनसत्ता दल के **प्रत्याशी के दम पर हम चुनाव लड़ेंगे। साथ ही भाजपा और सपा समेत अन्यों दलों के साथ गठबंधन को लेकर महीनों से चल रहे कयास को राजा भैया ने सिरे से खारिज कर दिया है।**

राजा भैया ने कहा कि जिस भी विधान सभा क्षेत्र में अच्छे और मजबूत प्रत्याशी हैं, वहीं जनसत्ता दल प्रत्याशी उतार रही है। अभी तक सिर्फ 17 सीटों पर जनसत्ता दल ने प्रत्याशी घोषित किये हैं। हालांकि अभी कई प्रत्याशियों को लेकर पार्टी में मंथन चल रहा है, जितने अच्छे प्रत्याशी मिलते जा रहे हैं, वहां के पार्टी पदाधिकारियों और जनता से राय लेकर प्रत्याशी घोषित होगा। राजा भैया ने कितनी सीटों पर चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि अभी पार्टी कितने सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी, यह कह पाना संभव नहीं है। वहीं, जिस दिन आखिरी प्रत्याशी घोषित होगा उस दिन हम सीट की पूरी संख्या बताएंगे। जनसत्ता दल और प्रत्याशी अपने दम पर विधान सभा का चुनाव लड़ेंगे। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में सात चरणों में विधान सभा चुनाव होना है।

पेज एक का शेष

भाजपा में दूसरी मेनका...

लेना पड़ा। साधना गुप्ता और उनके बेटे प्रतीक यादव पर खनन में काफी पैसा कमाने के आरोप भी लगे। जिस समय यादव परिवार में झगड़े चरम पर थे उस समय अपर्णा का झुकाव शिवपाल कैंप की तरफ ज्यादा था। 2017 में साधना गुप्ता ने मुलायम सिंह से अपने बेटे प्रतीक यादव को टिकट दिलवाने को कहा मगर अखिलेश ने साफ कह दिया कि प्रतीक और उनमें एक ही राजनीति में रह सकता है। बाद में इस बात पर समझौता हुआ कि अपर्णा को टिकट दिया जाये और कैंट विधानसभा से अपर्णा चुनाव लड़ी और भाजपा की रीता बहुगुणा जोशी से हार गयी। अपर्णा को लगता था कि सपा नेताओं ने उनकी मदद नहीं की और यह बात हद तक सही भी है क्योंकि यादव बिरादरी के लोग प्रतीक को नेता जी का बेटा नहीं मानते। उनके लिये प्रतीक यादव नहीं अपितु प्रतीक गुप्ता है। 2017 के चुनाव के बाद जब योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने तो अपर्णा ने उनसे रिश्ते बेहतर करने शुरू किये। अपर्णा की उनकी साथ कई फोटो ने अखिलेश यादव को और नाराज कर दिया। इस बीच अपर्णा और योगी की इस जुगलबंदी ने अखिलेश का गुस्सा और बढ़ा दिया और यह तय माना जाने लगा कि अब अखिलेश यादव के दरबार में अपर्णा की कभी नहीं चलेगी इसलिये इस बार जब अपर्णा ने टिकट मांगा तो अखिलेश ने साफ मना कर दिया। इसके बाद अपर्णा के पास इस बात के अलावा कोई चारा नहीं बचा था कि वे भाजपा ज्वाइन कर ले और उन्होंने यही किया। अब देखना यह है कि क्या भाजपा अपर्णा को महत्व देगी या अपर्णा भाजपा में दूसरी मेनका गांधी बनकर रह जायेगी।

बढ़ा भाजपा का कुनबा, दो सियासी दलों का विलय

» पांच संगठनों ने किया समर्थन का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपना कुनबा और बड़ा कर लिया है। भाजपा के लखनऊ कार्यालय पर यूपी के दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की राष्ट्रीय जनक्रांति पार्टी की यूपी इकाई के साथ एक अन्य राष्ट्रीय समतावादी पार्टी का विलय हो गया है। इसके अलावा पांच अन्य दलों और संगठनों ने भाजपा को यूपी चुनाव में समर्थन देने का ऐलान किया है।

राष्ट्रीय जनक्रांति पार्टी के यूपी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एनपी सिंह ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी को विलय पत्र सौंपा। वहीं, राष्ट्रीय समतावादी पार्टी की तरफ से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव गोपाल निषाद ने विलय पत्र सौंपकर भाजपा के साथ काम करने का संकल्प लिया है। राष्ट्रीय समतावादी पार्टी का पूर्वांचल में खास दबदबा है। यह पूर्वांचल के 25 जिलों में प्रभावशाली है। इसी वजह से भाजपा ने उसे अपने साथ लिया है। दरअसल, पूर्वांचल में दबदबा रखने वाले ओमप्रकाश राजभर इस वक्त सपा के साथ हैं, लिहाजा भाजपा ने खुद को मजबूत करने के लिए निषाद पार्टी के अलावा राष्ट्रीय समतावादी पार्टी को अपने पाले में खींच लिया है। इसके अलावा मानवतावादी समाज पार्टी, किसान शक्ति जनतंत्रिक पार्टी, राष्ट्रवादी ब्राह्मण महासंघ और हिंदू युवा वाहिनी भारत की यूपी इकाई समेत अन्य कई संगठनों और दलों ने भाजपा को विधान सभा चुनाव में बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान किया है। उत्तर प्रदेश में इस बार सात चरणों में मतदान होना है। इसकी शुरुआत 10 फरवरी से होगी।

आगरा पहुंचे जेपी नड्डा, पदाधिकारियों की लेंगे क्लास

आगरा। सूबे में फिर से कमल खिलाने को भाजपा अपनी ताकत झोंकने में लगी है तो पार्टी के रणनीतिकारों को क्षेत्र में उतारा जा रहा है। आगरा, अलीगढ़ मंडल के संगठन को धार देने, विपक्ष को घेरने के लिए व्यूह रचना तैयार करने और सामाजिक संदेश देने के लिए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आगरा पहुंचे।

सड़क मार्ग द्वारा आगरा पहुंचे जेपी नड्डा ने राजेश्वर महादेव का सबसे पहले आशीर्वाद लिया। राजपुर चुंगी स्थित राजेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से उन्होंने पूजा अर्चना की। वे फतेहाबाद रोड स्थित होटल में भाजपा संगठन के पदाधिकारियों के साथ विधान सभा चुनाव को लेकर बैठक करेंगे। मौसम खराबी के कारण वे सड़क मार्ग द्वारा कार से यहां पहुंचे हैं। यमुना एक्सप्रेस वे के आगरा टोल प्लाजा पर भाजपा के नेताओं ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल भी टोल प्लाजा पर मौजूद थे। यहां से जेपी नड्डा सीधे राजेश्वर मंदिर पहुंचे और यहां दर्शन-पूजन किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय **सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।